MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
September 2023

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

फोकस: ओडिशा

कृषि उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 25 से 29 सितंबर, 2023 के दौरान ओडिशा सरकार के कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, के कृषि अधिकारियों के लिए कृषि उद्यमिता विकास पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण और एक्सपोज़र विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 अलग-अलग विषयों पर 20 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला में पहला ऐसा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य ओडिशा के कृषि क्षेत्र की वृद्धि और समृद्धि के लिए कृषि अधिकारियों की क्षमता और आवश्यक कौशल का निर्माण करना है।

कार्यक्रम में ओडिशा के कुल तेईस (23) कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने ओडिशा में कृषि उद्यमिता विकास के क्षेत्र में आशाजनक अवसरों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला तथा एसी और एबीसी योजना पर भी चर्चा की, जो कृषि उद्यमिता क्षेत्र से संबंधित है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, सिद्धांत कक्षाएं, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, प्रसिद्ध संसाधन व्यक्तियों के नेतृत्व में चर्चा और क्षेत्र का दौरा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सॉफ्ट स्किल्स में सुधार, सुबह की बातचीत और शाम की समूह चर्चाओं के लिए समर्पित एक पूरा दिन भी शामिल था।

डॉ. शाहजी फण्ड , उप निदेशक (संबद्ध विस्तार), मैनेज ने मैनेज फेलो डॉ. सुश्रीरेखा दास के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया।

अंक की मुख्य बातें

- कृषि उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम...1
- सतत खाद्य प्रणालियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम...3
- मैनेज और जीआईजेड ने मृदा पर मूक्स कार्यक्रम लॉन्च किया
- तेलंगाना में पूर्व सैनिकों के लिए जय जवान किसान कार्यक्रम....5
- बाजार के साथ किसानों के एकीकरण पर आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम ...6
- हार्वेस्टप्लस और व्यक्ति विकास केंद्र भारत के साथ समझौता ज्ञापन ...7
- सिक्किम में मैनेज एफपीओ अकादमी एफपीओ को बढ़ावा देती है...8
- हिंदी दिवस समारोह: हिंदी पखवाड़ा...8
- नई नियुक्तियां...9

महानिदेशक का संदेश

ओडिशा में कृषि विकास के लिए 500 अधिकारियों की क्षमता निर्माण

"मैनेज ने कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया हैं। जून 2023 में ओडिशा राज्य के लिए संबंधित 10 वर्तमान विषयों पर सितंबर से दिसंबर, 2023 के दौरान 20 प्रशिक्षण और एक्सपोज़र विजिट कार्यक्रमों (5-दिवसीय अवधि) की एक श्रृंखला के माध्यम से राज्य के 500 कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेगी।

कृषि विस्तार प्रबंधन में सुधार के लिए मैनेज हमेशा अपने कृषि अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए राज्य सरकारों की जरूरतों पर प्रतिउत्तर देता है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है जून, 2023 में ओडिशा राज्य के लिए 10 संबंधित समसामयिक विषयों पर सितंबर से दिसम्बर, 2023 के दौरान 20 प्रशिक्षण और इक्स्पोजर विज़िट कार्यकर्मों (5 दिवसीय अवधि) की एक शृंखला के माध्यम से राज्य के 500 कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए मैनेज ने ओडिशा सरकार के कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

इसके भाग के रूप में, मैनेज कृषि अधिकारी को दस विषयों पर जैसे कृषि में जलवायु परिवर्तन, सतत खाद्य प्रणाली, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कृषि उद्यमिता विकास, कृषि विस्तार प्रबंधन में नवाचार, कृषि में कार्बन क्रेडिट, डिजिटल कृषि, प्राकृतिक खेती, सौर खेती और कृषि में ड्रोन मे प्रशिक्षण और एक्स्पोजर विज़िट प्रदान करता है। ये सभी विषय आज के कृषि क्षेत्र में अत्यधिक समसामयिक हैं और ओडिशा राज्य के संदर्भ में विशेष रूप से संबंधित हैं क्योंकि राज्य में कई कृषि विकास परियोजनाएं और कार्यक्रम इन अवधारणाओं से निपटते हैं।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 20 कार्यक्रमों की श्रृंखला में पहले दो प्रशिक्षण और एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम इस महीने में शुरू किए गए हैं, जो कृषि उद्यमिता विकास और सतत खाद्य प्रणालियों के विषयों पर केंद्रित हैं, जिसमें राज्य के सभी जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले ओडिशा के 50 कृषि अधिकारी शामिल हैं। कार्यक्रमों के दौरान, विषय विशेषज्ञों द्वारा कक्षा व्याख्यान द्वारा समर्थित क्षेत्र/प्रदर्शन दौरे, भागीदारी गतिविधियों, चर्चाओं, समूह कार्य के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया जाता है।

भविष्य में राज्य में कृषि विकास हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में ओडिशा को अपने अधिकारियों की क्षमता का निर्माण के लिए मैनेज कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना करता है। मैनेज में हमारा मानना है कि ओडिशा राज्य के अधिकांश कृषि अधिकारियों को कवर करने वाले ये प्रशिक्षण और एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम निश्चित रूप से क्षेत्र स्तर पर नई अवधारणाओं से निपटने में कृषि संवर्ग की उनकी क्षमताओं और प्रदर्शन को बढ़ाएंगे और किसानों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक

फोकस: ओडिशा

सतत खाद्य प्रणालियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 25 से 29 सितंबर, 2023 के दौरान मैनेज ने कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार के कृषि अधिकारियों के लिए सतत खाद्य प्रणालियों पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ओडिशा के चौबीस (24) कृषि अधिकारियों और ब्लॉक कृषि अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने अपने समापन भाषण में टिकाऊ खाद्य प्रणालियों के महत्व पर जोर दिया, जो आर्थिक, सामाजिक या पर्यावरणीय कारकों मे बाधा डाले बिना खाद्य सुरक्षा और पोषण सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा, खाद्य प्रणाली दृष्टिकोण आर्थिक स्थिरता, व्यापक-आधारित सामाजिक लाभ और प्राकृतिक पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव को बढ़ावा देता है।

डॉ. वीनीता कुमारी, उपनिदेशक, (लिंग अध्ययन) ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रशिक्षण में एक दिवसीय क्षेत्र का दौरा और चार दिवसीय सैद्धांतिक सत्र शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों को टिकाऊ खाद्य प्रणालियों की अच्छी समझ प्राप्त हुई।

मैनेज - जीआईजेड ने मृदा प्रबंधन पर मूक कार्यक्रम का उद्घाटन किया

मैनेज और जीआईजेड ने संयुक्त रूप से "सतत मृदा प्रबंधन" पर दो महीने का मूक्स कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्घाटन डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, डीजी-मैनेज और डॉ. राजीव अहल, निदेशक, जीआईजेड, इंडिया ने किया। इस व्यापक कार्यक्रम में नौ मॉड्यूल शामिल हैं, जो मिट्टी की गुणवत्ता मानकों, संरक्षण, वर्षा जल उपयोग, पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं और कृषि पारिस्थितिकी प्रणालियों में ऊर्जा प्रबंधन को संबोधित करते हैं, जो खेती और मिट्टी प्रबंधन में पृष्ठभूमि वाले सरकारी अधिकारियों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पाठ्यक्रम मॉड्यूल

सतत मृदा प्रबंधन की नींव
मिट्टी के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणवत्ता मापदंडों, रणनीतियों, दृष्टिकोण और प्रौद्योगिकियों का परिचय और अवधारणाओं।

भू-जलवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण
विभिन्न भू-जलवैज्ञानिक और सामाजिक इकाइयों के लिए सतत मृदा प्रबंधन रणनीतियाँ।

कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा प्रबंधन
कृषि पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन में ऊर्जा कुशल प्रथाओं और नवाचारों की खोज।

मृदा और जल संरक्षण
शीर्ष मृदा क्षरण नियंत्रण, वर्षा जल का सतत उपयोग और जल उत्पादकता एवं वृद्धि

पर्यावरण-अनुकूल कीट और रोग प्रबंधन
टिकाऊ फसल की खेती और कीटों और बीमारियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए मिट्टी के सूक्ष्मजीवों का उपयोग।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में इंटरैक्टिव सामग्री, एनिमेटेड शिक्षण सामग्री, व्यावहारिक रणनीतियाँ और अग्रणी भारतीय संस्थानों के विशेषज्ञ के योगदान शामिल हैं। इसके उद्देश्यों में मिट्टी की स्थिरता, ऊपरी मिट्टी का कटाव नियंत्रण, जल उपयोग अनुकूलन, मिट्टी प्रबंधन के लिए सामाजिक दृष्टिकोण, पर्यावरण-अनुकूल कीट और रोग नियंत्रण, और कृषि पारिस्थितिकी प्रणालियों के भीतर नवीन ऊर्जा प्रबंधन प्रथाओं को समझना शामिल है।

प्रतिभागियों से खाद्य-ऊर्जा जल (एफईडब्ल्यू) गठजोड़, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, परिपत्र अर्थव्यवस्था सिद्धांतों और खेत और समुदाय दोनों स्तरों पर लागू अपशिष्ट-से-धन रणनीतियों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने की उम्मीद की जाती है।

कार्यक्रम नि:शुल्क है और इच्छुक उम्मीदवार पंजीकरण के लिए कृपया https://www.manage.gov.in/moodleafa/ पर क्लिक कर सकते हैं।

तेलंगाना में पूर्व सैनिकों के लिए जय जवान किसान कार्यक्रम

मैनेज ने नाबार्ड, तेलंगाना द्वारा प्रायोजित, तेलंगाना के विभिन्न सशस्त्र बलों के 50 सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए दिनांक 4 से 18 सितंबर, 2023 तक चलने वाले 15 दिवसीय जय जवान किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस व्यापक कार्यक्रम में क्षेत्र के दौरे के लिए 5 दिन और सिद्धांत सत्र के 10 दिन शामिल हैं, जो विशेषज्ञ मार्गदर्शन और पैनल चर्चा की पेशकश करते हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने संबोधन में कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया और इस बात पर जोर दिया कि अधिकांश पूर्व सैनिक कृषि से संबंधित हैं, उनके पास कृषि में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और आत्म-आश्वासन की कमी है। उन्होंने उचित ज्ञान के माध्यम से सफलता की संभावनाओं पर प्रकाश डाला, आरकेवीवाई-रफतार के तहत कृषि-स्टार्टअप की चर्चा की और कृषि उद्यमिता में अवसरों का प्रदर्शन किया।

कर्नल पी. रमेश कुमार, निदेशक, राज्य सैनिक कल्याण, तेलंगाना ने अपने संबोधन में पूर्व सैनिकों के लिए कृषि के क्षेत्र में आशाजनक संभावनाओं को रेखांकित किया, जिसका अंतिम लक्ष्य उन्हें दक्ष कृषि उद्यमियों में बदलना है।

श्री वी.एस. श्रीराम, उप महाप्रबंधक, नाबार्ड, तेलंगाना ने पूर्व सैनिकों को प्रोत्साहित करते हुए उनसे मास्टर प्रशिक्षकों की भूमिका निभाने का आग्रह किया। उनका मानना था कि इससे किसानों की अगली पीढ़ी को अपना ज्ञान और कौशल प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसए&सीसीए), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

आईटेक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

बाज़ारों के साथ किसानों का एकीकरण

मैनेज ने दिनांक 5 से 8 सितंबर, 2023 तक भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीसी), भारत सरकार की विदेश मंत्रालय (एमईए) की एक पहल "बाजार के साथ किसानों के एकीकरण की सुविधा के लिए नवीन रणनीतियों" पर 15 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

विभिन्न संगठनों जैसे कृषि मंत्रालय और संबंधित विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों और निजी क्षेत्र से 14 देशों जैसे सीरिया, नेपाल, दक्षिण सूडान, मंगोलिया, युगांडा, तंजानिया, केन्या, श्रीलंका, तजाकिस्तान, बांगलादेश, गुयाना, टोगो, घाना और मलावी के 19 अधिकारी एक जुट हुए।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने सम्बोधन मे अपनी उपज के लिए बाजार के अवसरों और आय को बढ़ाने मे किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओं) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोड़ दिया।

उन्होंने इस विचार पर प्रकाश डाला कि समूह मे एक साथ काम करने वाले किसान अपनी आय बढ़ा सकते है और कृषि विपरण अवसरों मे सुधार ला सकते है।

सम्मानीय अतिथि के रूप मे, श्री लालन राय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत विपरण और निरीक्षण विभाग (डीएमआई) से सेवनिवृति सहायक एएमए ने कृषि विपरण मे सरकार के नेतृत्व वाले सुधारों के सकारात्मक प्रभावों के बारें मे चर्चा किया। उन्होंने अन्तराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर तथा किसानों को लाभ पहुचाने के लिए ज्ञान साझा करने पर जोड़ दिया।

डॉ. शैलेन्द्र, निदेशक, कृषि विपरण, मैनेज ने मैनेज के कनसलटेंट डॉ. मधुलता और डॉ. संगमेश अंगारी के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया।

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

पोषण सुरक्षा के लिए मैनेज और हार्वेस्टप्लस जुड़े

आईएफपीआरआई के मैनेज और हार्वेस्टप्लस ने बायोफोर्टिफाइड फसलों और अन्य पहलों को अपनाने के माध्यम से खाद्य और पोषण सुरक्षा के सहयोग के लिए दिनांक 8 सितंबर, 2023 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और हार्वेस्टप्लस का प्रतिनिधित्व करने वाले एशिया के क्षेत्रीय समन्वयक श्री रविंदर ग्रोवर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। मैनेज संकाय सदस्य और कार्यपालक, डॉ. परमिंदर विर्क (फसल विकास प्रमुख), और हार्वेस्टप्लस से श्री बीनू चेरियन (कंट्री मैनेजर-इंडिया) ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

यह समझौता ज्ञापन दोनों संगठनों के लिए संयुक्त अध्ययन और विनिमय दौरों, सहयोगात्मक प्रशिक्षण, अनुसंधान परियोजनाओं और संयुक्त कार्यों के प्रकाशन जैसी गतिविधियों में शामिल होने के द्वार खोलता है।

इसके अलावा, इसका लक्ष्य बांग्लादेश, भूटान और नेपाल सहित चुनिंदा सार्क देशों के साथ साझेदारी करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुंच बढ़ाना है।

इस सहयोग में नीति निर्माताओं और विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए तैयार किए गए विशिष्ट कार्यक्रम भी शामिल हैं। यह दूरदराज के क्षेत्रों में विस्तार कार्यकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए लागत प्रभावी व्यापक ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) के विकास की कल्पना करता है।

इसके अतिरिक्त, यह बायोफोर्टिफाइड फसलों और प्राकृतिक खेती तकनीकों से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने और प्रसारित करने के लिए मॉडल गांवों, मॉडल फार्मों, मॉडल किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और मॉडल किसानों जैसे प्रदर्शन स्थलों की स्थापना करेगा।

डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (लिंग अध्ययन), मैनेज ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मैनेज और व्यक्ति विकास केंद्र ने प्राकृतिक खेती के लिए करार किया।

मैनेज और व्यक्ति विकास केंद्र भारत - आर्ट ऑफ लिविंग ने प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाने, जल संसाधनों के संरक्षण और किसानों को उनकी अनूठी चुनौतियों का समाधान करने के लिए सशक्त बनाने के साझा मिशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

समझौता ज्ञापन पर डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और श्री प्रसन्ना प्रभु, अध्यक्ष, वीवीके-इंडिया द्वारा हस्ताक्षर किया गया। डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसए एवं सीसीए) ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

मैनेज एफपीओ अकादमी सिक्किम में एफपीओ को बढ़ावा देता है

मैनेज ने दिनांक 25 से 29 सितंबर, 2023 के दौरान एफपीओ के सीईओ के लिए जैविक कृषि पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया है। सिक्किम राज्य के एफपीओ के 29 सीईओ और निदेशक मंडल का यह दूसरा बैच है, जिन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया। इन एफपीओ को मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट फॉर नॉर्थ ईस्ट रीजन (एमओवीसीडीएनईआर) के तहत बढ़ावा दिया गया था।

डॉ. के. सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई) और मैनेज एफपीओ अकादमी के प्रमुख ने कार्यक्रम का संचालन किया।

हिंदी दिवस समारोह
मैनेज में हिंदी पखवाड़ा

मैनेज ने पूरे मैनेज समुदाय को शामिल करते हुए दिनांक 14 से 28 सितंबर, 2023 तक उत्साहपूर्वक हिंदी पखवाड़ा मनाया। प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन प्रतियोगिता, अनुवाद चुनौतियाँ और आँसू भाषण प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, सलाहकारों और छात्रों ने समान रूप से सक्रिय भागीदारी निभाई।

प्रतिभागियों की प्रतिभा और प्रयासों का सम्मान करने के लिए दिनांक 27 सितंबर, 2023 को आयोजित हिंदी दिवस समारोह में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

मैनेज में इस उत्सव का आयोजन श्री श्रीधर खिस्ते, उप निदेशक (प्रशासन) एवं राजभाषा अधिकारी और डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा किया गया। इस उत्सव में हिंदी भाषा की समृद्धि और इसके सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देने और सराहना करने की सामूहिक प्रतिबद्धता प्रदर्शित किया गया।

नई नियुक्तियाँ

डॉ. शैलेन्द्र
निदेशक (कृषि विपणन)

डॉ. शैलेन्द्र ने दिनांक 12 सितंबर, 2023 को मैनेज में निदेशक (कृषि विपणन) के रूप में कार्यभार ग्रहण किए। उन्होंने 18 वर्षों के अनुभव के साथ जीबी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से कृषि अर्थशास्त्र में पीएचडी की है। इस पद से पहले, उन्होंने मैनेज में उपनिदेशक (व्यवहार विज्ञान), सीसीएस एनआईएएम में सहायक निदेशक, जयपुर और फरीदाबाद में विपरण और निरीक्षण निदेशालय में निदेशक के रूप मे कार्य किया। वह कृषि विस्तार में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और विपणन में विशेषज्ञ हैं। उन्होंने विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वह मैनेज में एसटीआरवाई और पीजीडीएडब्लूएम के कार्यान्वयन से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कई विषयों पर 20 से अधिक शोध लेख और प्रशिक्षण सामग्री प्रकाशित की हैं।

डॉ सागर सुरेंद्र देशमुख
सहायक निदेशक (कृषि व्यवसाय प्रबंधन)

डॉ. सागर सुरेंद्र देशमुख ने दिनांक 5 सितंबर, 2023 को मैनेज में सहायक निदेशक (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) के रूप में कार्यभार ग्रहण किए। उन्होंने टीएनएयू से कृषि व्यवसाय प्रबंधन में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की हैं। इस पद से पहले, उन्होंने वर्ष 2017 से 2022 तक मैनेज में सहायक प्रोफेसर और प्रशिक्षण एसोसिएट के रूप में काम किया। उन्होंने के.के.वाघ कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बिजनेस मैनेजमेंट, नासिक में सहायक प्रोफेसर, दिल्ली में आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में वरिष्ठ अनुसंधान फेलो और आईसीएआर-एनएएआरएम में बिजनेस मैनेजर के रूप में भी काम किया है। उन्होंने 6 पुस्तकें, 20 शोध लेख और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसा वाले 10 लोकप्रिय लेख लिखे।

श्री नितेश कुमार
अकादमिक एसोसिएट (ज्ञान प्रबंधन)

श्री नितेश कुमार ने दिनांक 22 सितंबर, 2023 को मैनेज में अकादमिक एसोसिएट (ज्ञान प्रबंधन) के रूप में कार्यभार ग्रहण किए। उनके पास 1 वर्ष और 5 महीने के अनुभव के साथ डॉक्यूमेंटेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर (डीआरटीसी), बेंगलुरु से लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान में मास्टर डिग्री है। मैनेज में शामिल होने से पहले, उन्होंने एनसीईआरटी-क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में लाइब्रेरी ट्रेनी के रूप में काम किया हैं।

सुश्री पूजा दास
वरिष्ठ अनुवादक

सुश्री पूजा दास ने दिनांक 8 सितंबर, 2023 को मैनेज में एक वरिष्ठ अनुवादक के रूप में कार्यभार ग्रहण किए। उनके पास प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता से हिंदी में प्रथम श्रेणी मास्टर डिग्री और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से अनुवाद में प्रथम श्रेणी स्नातकोत्तर डिप्लोमा है।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन
राजेंद्रनगर,
हैदराबाद-500030, भारत

वेबसाइट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज
संपादक
डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अट्टालुरी
उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज
सहायक संपादक
अपर्णा वी. आर.
मैनेज फ़ेलो, मैनेज
हिन्दी अनुवाद
सुश्री पुजा दास,
वरिष्ठ अनुवादक
कृष्णा दभोलकर
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज